

तांगे वाले और घोड़े की मौत, खेत में 10 फीट का मगरमच्छ निकला, 5 शहरों में बारिश यूपी में बारतियों की कार बही अंडरपास में तांगा डूबा

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार देर रात गोरखपुर, गोंडा, बहराइच, देवरिया समेत 5 शहरों में तेज बारिश हुई। रविवार सुबह लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत ज्यादातर शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, साढ़े 8 बजते-बजते धूप निकल आई।

आज 33 जिलों में बारिश का अंनद है। पूर्वांचल और तराई वाले जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में यूपी के



मेरठ में भारी बारिश के बाद अंडरपास में 10 फीट पानी भर गया। तांगेवाला घोड़े समेत डूब गया।

32 शहरों में औसतन 7.5 मिमी बारिश हुई। आमतौर पर 11.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। सबसे ज्यादा 60.8 मिमी बारिश गोरखपुर, 52.6 मिमी. अंबेडकर नगर में रिकॉर्ड हुई। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश की वजह से यूपी में नदी-नाले उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। बिजनौर में मालन नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। महोबा में शनिवार देर रात 11 बजे बारतियों की बोलेरो कार नाले में गिर गई।

फास्ट न्यूज

सरफा कारोबारी से लूट का खुलासा

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ पुलिस ने सरफा कारोबारी से हुई लूट की घटना आज रविवार दोपहर तीन बजे करीब पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध तमंचा, लूटे गए जेवर, नकदी और वारदात में इस्तेमाल मोटर-साइकिल बरामद की है। यह घटना 8 जुलाई को नगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर नहर के पास हुई थी।

भगवा चोला पहनकर भ्रमित कर रहे

बाराबंकी। बाराबंकी में रविवार को उपमुख्यमंत्री बुजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गो-रक्षा जनजागरण यात्रा को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने जिला अस्पताल परिसर में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। पाठक ने आरोप लगाया कि कुछ लोग भगवा चोला पहनकर धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब सब कुछ समझ चुकी है। डिप्टी सीएम ने उन लोगों से सवाल किया जो आज सनातन धर्म की चिंता का दावा कर रहे हैं।

2.26 करोड़ की साइबर

ठगी का खुलासा

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ की लीलापुर थाना पुलिस ने 2.26 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड विराज सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर करोड़ों रुपये के अवैध लेनदेन में शामिल था। पुलिस ने बताया कि साइबर हेल्प डेस्क द्वारा संदिग्ध खातों की जांच के दौरान आईडीए-फसी बैंक में 'लक्ष्मी इंटरप्राइजेज' के नाम से संचालित एक खाते का पता चला।

दुःखद :

17 साल के एनडीए-कैडेट की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 17 साल के NDA कैडेट का रविवार दोपहर 11.30 बजे पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हवाई फायरिंग के साथ गार्ड ऑफ ऑनर के बीच अंतिम विदाई दी गई। मिश्रा कॉलोनी मुक्तिधाम घाट पर मुखाग्नि देते वक्त पिता की आंखों से आंसू छलक पड़े।

उन्होंने कहा-बेटे का सपना पूरा करना सबसे बड़ी भूल साबित हुई। मेरा सब कुछ छिन गया। अब हमारे पास कुछ नहीं बचा।

2 दिन पहले (10 जुलाई) NDA कैडेट अभिनव बाजपेई का पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में ट्रेनिंग के दौरान मौत हो गई थी। सुबह फिजिकल ट्रेनिंग (PT) के दौरान अचानक तबीयत बिगाड़ गई थी। डॉक्टरों का कहना है कि मौत



की वजह हार्ट अटैक हो सकती है। हालांकि, सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा। इससे पहले, रविवार सुबह एयर बस से अभिनव का पार्थिव शरीर लखनऊ लाया गया। फिर सड़क मार्ग से उन्नाव में गंगाघाट के नेहरू नगर स्थित आवास पहुंचा। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। तिरों में लिफ्टे बेटे का शव देखकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

एनडीए प्रशासन ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। सूचना परिवार और स्थानीय पुलिस को दी। खबर लगते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। माता-

केंद्रीय विद्यालय से इंटर पास किया, 24 जून को एनडीए पहुंचा

अभिनव के पिता प्रदीप कुमार बाजपेई 4 भाई हैं। सभी के बच्चों में अभिनव इकलौते बेटे थे। पिता कानपुर के सरकारी अस्पताल में वार्ड अर्दली हैं। मां सीमा बाजपेई गृहणी हैं। बहन अंशिका (25) कानपुर के जीएसबीएम मेडिकल कॉलेज में MBBS छात्रा हैं।

अभिनव ने 2026 में केंद्रीय विद्यालय कैंट (कानपुर) से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की थी। इसके बाद उनका चयन देश की सबसे प्रतिष्ठित सैन्य प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में हुआ था। 24 जून को वह ट्रेनिंग के लिए पुणे पहुंचा था।

पिता तुरंत ही पुणे रवाना हुए। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम के बाद शव परीजनों को सौंप दिया। विसरा सुरक्षित रखा लिया गया है। अंतिम मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे। पिता प्रदीप कुमार बाजपेई ने रोते हुए कहा- मैं चाहता था कि मेरा

एटा में खेतों में निकला मगरमच्छ, ग्रामीणों ने पीठ पर बैठकर रील बनाई

एटा के जलेसर क्षेत्र के मकसूदपुर गांव में धान के खेतों में भरे पानी में बड़ा मगरमच्छ निकल आया। ग्रामीणों ने तत्काल सूचना वन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद मगरमच्छ को सफल रेस्क्यू किया। रस्सी से मुंह बांधकर पिंजरे में बंद कर दिया। इस दौरान गांववालों ने मगरमच्छ की पीठ पर बैठकर REEL बनाई। क्षेत्रीय वनाधिकारी अधिकारी गिरजेश तिवारी ने बताया- मगरमच्छ को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया है। जलेसर थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित ने बताया कि मगरमच्छ को गांववालों के सहयोग से पकड़ा है।

लखनऊ में मौसम साफ, 24 घंटे में 20.8 मिमी. बारिश

लखनऊ में रविवार सुबह बादल छाए रहे। 8 बजते-बजते धूप निकल आई। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिन में 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। पिछले 24 घंटे में राजधानी में 20.8 मिमी. बरसात हुई। सामान्य बारिश 8.4 मिमी. से 148% अधिक है। 1 जून से 11 जुलाई तक लखनऊ में सामान्य से 40 फीसदी कम 95.8 मिमी. बरसात हुई।

भाजयुमो यूपी अध्यक्ष का लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन, 50 गाड़ियों के काफिले के साथ रोड शो किया योगी ने अपना कार्यक्रम निरस्त कर युवाओं को आशीर्वाद दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रोहित मिश्रा रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि स्वागत की तैयारियों के दौरान पता चला था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम भी उसी रूट पर प्रस्तावित है। इससे हम लोग 2-3 घंटे बहुत परेशान रहे। इश्वर जाने क्या ऐसी विशेष कृपा रही कि योगी जी ने अपना कार्यक्रम निरस्त किया। हम युवाओं का स्पेस कहीं कम न होने पाए अपना आशीर्वाद दिया। इससे पहले उन्होंने शक्ति प्रदर्शन किया। 50 गाड़ियों के काफिले के साथ रोड शो किया। खुली कार में हाथ जोड़कर 1090 चौराहे से 3 किमी दूर भाजपा कार्यालय पहुंचे। उनके



काफिले के पीछे करीब 1 किमी लंबा जाम लग गया। इससे पहले 1090 चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-तगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। क्रेन से फूलों की माला पहनाई। भगवान राम की मूर्ति, रामचरितमानस, गदा, तलवार, फरसा भेंट किए। रोहित मिश्रा ने तलवार और गदा लहराया। रोहित के पहुंचने से पहले ही 1090 चौराहे पर हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं के जुटने से भीषण जाम लग गया था। दोपहर 12:15 से करीब 1:15 बजे तक करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा।

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में शुरु हुआ अभिनंदन समारोह

युवा मोर्चा अध्यक्ष का स्वागत समारोह और अभिनंदन अब BJP प्रदेश कार्यालय में शुरू हो चुका है। मंच पर निवर्तमान युवा मोर्चा अध्यक्ष प्राशु दत्त द्विवेदी और सुभाष यादव भी मौजूद हैं।

लापता महिला की हत्या का खुलासा

प्रयागराज। प्रयागराज में लापता महिला का शव खेत में जमीन के अंदर दबा मिलने के मामले में पुलिस ने रविवार दोपहर को खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, महिला की हत्या उसके पड़ोसी ने की थी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस का दावा है कि पृष्ठताछ में आरोपी ने बताया कि महिला के साथ उसके पिछले तीन साल से संबंध थे। बाद में दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने के शक के कारण उसने वारदात को अंजाम दिया। महिला 23 अप्रैल से लापता थी। 10 जुलाई की रात खेत से शव बरामद होने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और शक के आधार पर पड़ोसी को हिरासत में लेकर पृष्ठताछ की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की है। हालांकि मौत के कारण की पुष्टि अभी पोस्टमार्टम से नहीं हो सकी है और मामले की जांच जारी है। मामला कोरांव थाना क्षेत्र के नेवडिया पाल गांव की है।



छात्रावास का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय परिसर में बन रहे ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य का जायजा लिया। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने उन्हें अद्यतन प्रगति से अवगत करया।

मुख्यमंत्री ने छात्रावास के आवंटी एमडी आयुर्वेद के विद्यार्थियों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने आयुर्वेद की उच्च शिक्षा को बेहतरीन अवसर बताते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।



अभिनव बाजपेई का शव रविवार सुबह लखनऊ के रास्ते उन्नाव स्थित घर लाया गया।

बेचैनी की शिकायत की फिर बेहोश हुए

एनडीए की ओर से जारी बयान के मुताबिक, 10 जुलाई (शुक्रवार सुबह) अभिनव अपनी पहली आधिकारिक फिजिकल ट्रेनिंग परेड में शामिल हुए थे। नियमित प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बेचैनी की शिकायत की। फिर बेहोश होकर गिर पड़े। अधिकारियों ने तत्काल उन्हें खड़कवासला के मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए।

बेटा डॉक्टर बने, क्योंकि मैं अस्पताल में काम करता हूं। लेकिन, वह एनडीए में शामिल होकर सेना में अधिकारी बनना चाहता था।

प्रतापगढ़ में सरफा कारोबारी से लूट का खुलासा लूटे गए चांदी के आभूषणों को गलाकर आपस में बांटा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ पुलिस ने सरफा कारोबारी से हुई लूट की घटना आज रविवार दोपहर तीन बजे करीब पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध तमंचा, लूटे गए जेवर, नकदी और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। यह घटना 8 जुलाई को नगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर नहर के पास हुई थी। बिहारगंज बाजार के सराफा व्यवसायी सीताराम सोनी जब मोपेड से जा रहे थे, तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें तमंचा दिखाकर रोक लिया। बदमाशों ने उनके बैग से करीब 70 हजार रुपये के चांदी के जेवर और 10 हजार रुपये नकद लूट लिए। इसके बाद वे कोहंडौर की ओर फरार हो गए थे। सीताराम सोनी अंतु थाना क्षेत्र के चौरा गांव के निवासी हैं। वे



बिहारगंज बाजार में कपड़े और बर्तन की दुकान चलाते हैं। साथ ही ऑर्डर पर जेवर भी बनाते हैं। घटना के दिन वे तैयार जेवर लेकर कोहंडौर थाना क्षेत्र के बरा सराय गांव जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने राजेंद्र वर्मा और सौरभ यादव सहित तीन आरोपियों को नगर कोतवाली क्षेत्र के भोरही का पुरवा गोशाला के पास नहर के निकट से गिरफ्तार किया।

'अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा होना ही युवा की पहचान'

डॉ. रोहित मिश्रा ने कहा कि जब भी युवाओं की परिभाषा की बात होती है, तो युवा वह होता है जो अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने का साहस रखता है। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी व्यवस्था में भ्रष्टाचार या अन्याय दिखाई देता है, वहां उसके प्रतिकार के लिए सबसे पहले युवा ही खड़े होते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है। कंस के अत्याचार के विरुद्ध भगवान श्रीकृष्ण युवावस्था में खड़े हुए, रावण के अन्याय के खिलाफ भगवान श्रीराम ने संघर्ष किया। इसी तरह अंग्रेजी हुकूमत के सामने चंद्रशेखर आजाद और शहीद भगत सिंह जैसे युवाओं ने साहस और बलिदान का परिचय देकर देश को नई दिशा दी।



भाजयुमो पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें गदा और श्रीरामचरितमानस भेंट की।

रोहित मिश्रा ने कहा कि 2027 का समर है। युवाओं के आधार पर कहना चाहता हूं कि आज की गर्मी यह बता चुकी है कि वह समर अब केवल और केवल परिणाम की प्रतीक्षा करती है। हमने तय कर लिया है कि 2027 में तीसरा बार भाजपा की सरकार आएगी।

जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गो-रक्षा यात्रा बाराबंकी पहुंची छह विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने का कार्यक्रम



तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका-शारदा पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार सुबह करीब 9:30 बजे गो-रक्षा संकल्प यात्रा के तहत बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ कस्बे पहुंचे। उनके आगमन पर हैदरगढ़ मुख्य चौराहे पर श्रद्धालुओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का स्वागत करते हुए पुष्पवर्षा की। यात्रा के दौरान



बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए मौजूद रहे। हैदरगढ़ से आगे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का काफिला दरियाबाद की ओर रवाना हुआ। उनका बाराबंकी जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरने का कार्यक्रम निर्धारित है। यात्रा के क्रम में बड़ेले स्थान शांति पैलेस में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की एक प्रवचन सभा आयोजित होगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों के शामिल होने की संभावना है। प्रशासन ने यात्रा को लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के आवश्यक इंतजाम किए हैं।

500 के 13 नकली नोटों के साथ युवक पकड़ा गया

दुबग्गा के झाखरबाग चौराहे पर खपा रहा था, सभी के सीरियल नंबर एक जैसे

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। दुबग्गा इलाके में एक युवक 500 रुपए के 13 नकली नोटों के साथ पकड़ा गया है। सभी नोट के सीरियल नंबर एक जैसे थे। दुकानदारों ने दावा किया कि नोटों का रंग भी पानी से छूट रहा है। शनिवार को झाखरबाग चौराहे की कई दुकानों पर युवक 500 रुपए के नकली नोट चला रहा था। चौराहे की कई दुकानों से खरीदारी कर चुका था। एक दुकानदार को नोट संदिग्ध लगे। दुकानदार ने अन्य व्यापारियों को बुला लिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई और लोगों ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर दुबग्गा थाना



पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया और आसपास के दुकानदारों से पृष्ठताछ की। पुलिस ने कई दुकानों से मिले सभी संदिग्ध 500 रुपए के नोटों को जब्त भी कर लिया। संदिग्ध नोटों पर पानी डालने से रंग छूटने के दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की। पुलिस ने बताया कि युवक ने अपनी

पहचान रहीमाबाद थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के संजीव मिश्रा के रूप में बताई है। अधिकारियों का कहना है कि नोटों की जांच विशेषज्ञों के माध्यम से कराई जाएगी और रिपोर्ट आने के बाद ही उनका सत्यता स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस पता लगा रही है कि ये संदिग्ध नोट कहाँ से आए?

लोहड़रा में मंत्री ने रोपा हरियाली का संकल्प

कार्यक्रम

■ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिली रफ्तार

■ बोले- जीवन के लिए जरूरी है वृक्ष

वृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम-3.0' अभियान को गति मिली। भीटी विकासखंड के लोहड़रा गांव में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने हरिशंकरी का पौधा लगाकर अभियान को शुरुआत की। कार्यक्रम जिला वृक्षारोपण समिति और प्रभागीय वनाधिकारी के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने महोगनी

कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने लगाया हरिशंकरी का पौधा



36.92 लाख पौधों के लक्ष्य के साथ जिले में चला महाभियान

वृक्षारोपण महाभियान-2026 के तहत अंबेडकरनगर में 36 लाख 92 हजार 500 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की प्रगति और निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर अभियान की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों के अनुसार, रविवार दोपहर एक बजे तक जिले में 24 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके थे।

मानव जीवन की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधारोपण का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब पौधे सुरक्षित रहकर वृक्ष बनें। वृक्षारोपण महाभियान-2026 के तहत जिले में लगाए जा रहे पौधों की प्रगति और मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण

हरियाली की और अंबेडकरनगर की बड़ी पहल, एक दिन में 24 लाख से ज्यादा पौधों से सजा जिला

मंत्री ने समझाया वृक्षों का महत्व, संरक्षण पर दिया जोर

पौधारोपण के बाद मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने बताया कि पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जो जीवन के लिए आवश्यक है। चिकित्सक होने के नाते उन्होंने वृक्षों के स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े महत्व को भी बताया। उन्होंने लगाए गए पौधों की देखभाल पर जोर दिया।

कर अभियान की स्थिति जानी। अधिकारियों के अनुसार, रविवार दोपहर एक बजे तक जिले में 24 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके थे।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार को लेकर सुस्ती, एक भी आवेदन नहीं

ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक और प्रधानाचार्य नहीं होंगे पात्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक है, लेकिन अंबेडकरनगर में अब तक बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग से एक भी आवेदन नहीं आया है। 13 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इस बार ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक और प्रधानाचार्य पुरस्कार की पात्रता से बाहर रहेंगे। संविदा शिक्षक और शिक्षामित्र भी आवेदन नहीं कर सकेंगे।

पुरस्कार के लिए केवल नियमित शिक्षक, प्रधानाध्यापक और प्रधानाचार्य ही आवेदन के पात्र हैं। इसके लिए कम से कम 10 वर्ष की नियमित सेवा अनिवार्य है। शिक्षा निदेशालय ने संयुक्त शिक्षा निदेशकों, जिला विद्यालय निरीक्षकों और जिला बेसिक शिक्षा



अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र शिक्षकों से आवेदन कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि आवेदन करने वाले शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के ट्यूशन जैसी गतिविधियों में शामिल होने की गहन जांच की जाए।

शिक्षकों की कम भागीदारी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने अंबेडकरनगर से कम से कम 25 आवेदन सुनिश्चित कराने का लक्ष्य तय किया है। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र से दो से तीन उत्कृष्ट

पोर्टफोलियो के साथ अपलोड करने होंगे सभी साक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पोर्टल पर पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित थी, जबकि आवेदन 13 जुलाई तक जमा किए जा सकते हैं। इसमें आवश्यक अभिलेख, नवाचार, गतिविधियों की रिपोर्ट, फील्ड विजिट, फोटो और ऑडियो-वीडियो सहित अन्य प्रमाण शामिल करने होंगे।

शिक्षकों की पहचान कर उन्हें आवेदन कराने और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष शिक्षा मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश से दो हजार नामांकन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वरिष्ठ अध्यापक सरप्लस समायोजन प्रक्रिया पर रोक की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में वरिष्ठ अध्यापकों के सरप्लस समायोजन की प्रस्तावित प्रक्रिया को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक इकाई रामनगर ने आपत्ति जताई है। संघ ने वरिष्ठता के स्पष्ट मानक तय होने तक समायोजन प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। संघ अध्यक्ष राजेश अकेला ने कहा कि वरिष्ठ अध्यापक का निर्धारण पहले स्पष्ट रूप से किया जाना चाहिए। उनके अनुसार वरिष्ठता तय करने के लिए नियुक्ति की तिथि, वर्तमान जनपद में नियुक्ति की अवधि और वर्तमान विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि जैसे मानकों को स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।

संघ का कहना है कि इन बिंदुओं पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए बिना प्रार्थमिक विद्यालयों और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, प्रभारी प्रधानाध्यापकों तथा अध्यापकों को सरप्लस मानकर समायोजन करना नियमों के



प्राथमिक शिक्षक संघ ने वरिष्ठता के स्पष्ट मानक तय किए बिना समायोजन को बताया नियम विरुद्ध

अनुरूप नहीं होगा। शिक्षक संघ ने यह भी कहा कि यदि वरिष्ठता का निर्धारण किए बिना समायोजन किया गया तो पूरी प्रक्रिया विवादित हो सकती है। संघ ने मांग की है कि पहले वरिष्ठता का पारदर्शी और एक समान मानक निर्धारित किया जाए, उसके बाद ही समायोजन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों पर विचार नहीं होने की स्थिति में मामले को न्यायालय में ले जाया जा सकता है।

फास्ट न्यूज

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से मासूम की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के दरियाबाद थाना क्षेत्र में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दौरान ढाई वर्षीय मासूम की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नियाकतपुर क्षेत्र के दाना कयामपुर गांव में अनुज गुप्ता नामक व्यक्ति एक क्लिनिक चलाता है।

दलित युवक से मारपीट और नकदी छीनने का आरोप

अंबेडकरनगर । अकबरपुर थाना क्षेत्र में एक दलित युवक ने दो लोगों पर मारपीट, जातिस्मृक टिप्पणी करने और नकदी छीनने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने स्थानीय पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए आईजी-आरएस पोर्टल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। देवरायपुर (पीठापुर सरैया) निवासी अजित कुमार के अनुसार, 8 जुलाई की रात करीब आठ बजे वह मजदूरी कर साइकिल से घर लौट रहा था। आरोप है कि पीठापुर सरैया स्थित शराब के ठेके के पास अमित यादव और नीरज धुरिया ने उसे रोक लिया।

मगवा चोला पहनकर भ्रमित कर रहे

बाराबंकी। बाराबंकी में रविवार को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गो-रक्षा जनजागरण यात्रा को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने जिला अस्पताल परिसर में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। पाठक ने आरोप लगाया कि कुछ लोग भगवा चोला पहनकर धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुरानी रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला

जलालपुर के ताहापुर इस्माइलपुर गांव की घटना

तमसा संकेत, संवाददाता



दिया। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोट लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। घायल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। परिजनों और ग्रामीणों ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पीड़ित ने जलालपुर कोवाली में नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। डॉ. मिश्रा ने कहा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत हरियाली को जिले में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, राजकीय महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और परिषदीय विद्यालयों में अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा के निर्देशन में जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों और बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यालयों में पौधारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली और पौधों की नियमित देखभाल का संदेश दिया गया। डॉ. मिश्रा ने कहा



कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी आवश्यक हैं। इसी अभियान के तहत अंबेडकरनगर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में सभी थाना परिसरों, पुलिस लाइन और पुलिस कार्यालयों में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए लोगों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण महायज्ञ के दूसरे दिन क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. सुधा ने प्राचार्य डॉ. अरविंद

वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती, भियावों में भी 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। प्रधानाध्यापक राज बहादुर मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने छायादार व फलदार पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के महत्व की जानकारी भी दी गई।

कुमार वर्मा के साथ पौधारोपण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिले में चल रहे वृक्षारोपण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और पौधों की सुरक्षा, जियो-टैगिंग तथा उनकी उत्तरजीविता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाविद्यालय परिसर में छायादार, दीर्घजीवी और औषधीय पौधे लगाए गए।

सम्पादकीय

भाजपा का प्रत्याशी चयन



बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को जिस तरह प्रत्याशी बदलना पड़ा और मध्य प्रदेश में दत्तिया विधानसभा उपचुनाव में खुद को संभावित प्रत्याशी मान रहे पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों के विद्रोह का सामना करना पड़ा, उससे उभरे सवाल पार्टी को असहज करने वाले हैं।

चूंकि बांकीपुर विधानसभा सीट भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य बनने से रिक्त हुई है, इसलिए यहां होने वाले विधानसभा उपचुनाव की महत्ता बढ़ गई है। पहले भाजपा ने यहां से अभिषेक कुमार को प्रत्याशी बनाया, लेकिन उन्होंने यकायक यह कहकर अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली कि पारिवारिक कारणों से वे चुनाव लड़ने में असमर्थ हैं। इसके बाद यहां से नीरज कुमार सिन्हा को प्रत्याशी घोषित किया गया। क्या यह विचित्र नहीं कि मात्र एक विधानसभा सीट के लिए भाजपा अपने प्रत्याशी का चयन सही तरह नहीं कर सकी? यह समझना कठिन है कि अभिषेक कुमार के सामने अचानक ऐसी क्या पारिवारिक परिस्थिति आ गई कि वे चुनाव लड़ने से पीछे हट गए?

यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि को लेकर इसी सीट से चुनाव लड़ रहे जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी प्रशांत किशोर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की तैयारी कर रहे थे और इसकी भनक लगते ही भाजपा ने प्रत्याशी बदलने का फैसला कर लिया।

पता नहीं सच क्या है, लेकिन प्रश्न यह है कि आखिर जो बात प्रशांत किशोर को ज्ञात थी, क्या वह भाजपा नेतृत्व और विशेष रूप से इसी सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन को पता नहीं थी?

मध्य प्रदेश में दत्तिया विधानसभा क्षेत्र का मामला बांकीपुर से अलग है। यहां से पिछले चुनाव में पराजित भाजपा नेता और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा यह मानकर चल रहे थे कि उन्हें ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। उन्होंने अपना प्रचार भी शुरू कर दिया था, लेकिन जब उनके नाम की घोषणा नहीं हुई तो उनके समर्थक विद्रोह पर उतर आए।

उन्होंने सड़क जाम करने के साथ धरना-प्रदर्शन भी किया और पत्थरबाजी भी की। नरोत्तम मिश्रा के समर्थन में कई भाजपा पदाधिकारियों ने त्यागपत्र भी दे दिए। हालांकि हंगामा शांत होने के बाद नरोत्तम मिश्रा अपने समर्थकों के रवैये को सही नहीं ठहरा रहे हैं, लेकिन जो कुछ हुआ, उससे पार्टी की फजीहत तो हुई ही।

यह ठीक है कि भाजपा का तेजी से विस्तार हो रहा है और जहां वह सशक्त है, वहां चुनाव लड़ने वालों की कतार लगा जाती है, लेकिन दत्तिया का मामला औरों से अलग होने के उसके दावे पर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। यदि भाजपा औरों से अलग एवं अनुशासित दल की अपनी छवि बनाए रखना चाहती है तो उसे प्रत्याशी चयन की कोई लोकतांत्रिक एवं नीर-क्षीर व्यवस्था बनानी ही होगी।

गलती मान लेना माने हल्का हो जाना

गलती मान लेना मतलब की आज के समय में सोच पर प्रहार कर दिया हो। होता क्या है की मानव गलती तो करते हैं और गलती करके दूसरे पर थोप कर खुद उजले -उजले रहते हैं व आश्चर्य की बात की गलती करने वाला जानबूझ कर दूसरे को ही गलत कहता रहता हैं व स्वयं उजला हो जाता हैं व आगे बढ़ता रहता हैं लोग उसको सहारते हैं की यह मानव कितना अच्छा हैं। गलती को छुपाने के लिये दूसरी गलती करते हैं झूठ प झूठ बोल जाते हैं। जब ईसान एक झूठ बोलता है तो फिर उसकी सफाई में कई और झूठ बोलने पड़ते हैं वो बोलते है। एक तो गलती की,फिर झूठ बोला।क्यो ? कैसे भी हो ? हमारी गलती ईंच भर भी उजागर ना होनी चाहिये। आज के समय में और चाहिये ही क्या ? यही चाहिये सबको। यही आगे बड़े लोग जो सभा , संस्थान आदि में मुखिया आदि पद पर आकर अपनी व परिवार की स्वार्थ सिद्धी करते हैं। पद की गरिमा अनुसार कार्य हो या नहीं हो परन्तु अपना स्वार्थ जो जरूर पूरा कर जाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही सही मानव आगे बढ़ कर सभा , संस्थान आदि में मुखिया आदि पद पर नहीं आना चाहता हैं व इससे दूर रहना चाहता हैं। ऐसे लोगों के दबदबे से यह सोच सही भी हैं। ध्यान में सबके सब कूछ आता भी है व रहता भी हैं। इस तरह की वर्तमान स्थिति सुखद नहीं है व चिंतनीय हैं। जबकि गलती तो सभी से होती हैं जो की स्वाभाविक भी हैं लेकिन जो सरलता व ऋचुता धारक आदि होते हैं वो ही अविलंब या समझते ही अपनी गलती को मान कर उससे आगे बचने या नहीं करने का संकल्प ले आगे बढ़ते हैं व परिणाम भी प्राप्त करते हैं। गलती करके भी मानव सिखता हैं कोई - कोई तो बिना गलती के भी सिख लेते हैं। पिता पुत्र के बड़े होने पर कूछ रुपये पकड़ाता हैं जाओ यह रुपये लो और इससे कूछ कार्य करके दिखावां।

> प्रदीप छाजेड़

66

सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक

सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग

बंदरगाह के

संयुक्त विकास

को लेकर बनी

सहमति है।

मलक्का

जलडमरूमध्य के

ठीक मुहाने पर

स्थित साबांग

बंदरगाह का

रणनीतिक महत्व

अद्वितीय है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है। यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज्ञान महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड—ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को \$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता

हार के डर और सत्ता...



राजेश श्रीवास्तव

चुनावी मोड़ में यूपी : अबकी लड़ाई हार्ड और साफ्ट हिंदुत्व की



आक्रामक तेवर और 'हार्ड हिंदुत्व' की रणनीति में लौट आए हैं। 2०27 के महासमर को जीतने के लिए भाजपा और सरकार 'गौ, गुंडा, गंगा, गंगा और गाजियाबाद' जैसे मुद्दों पर फोकस कर रही हैं। इस सब के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि 2०27 के यूपी विधानसभा चुनाव में सीएम योगी ही पार्टी का मुख्य चेहरा होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'चुनावी मोड़' में सक्रिय होने के पीछे 2०27 के यूपी विधानसभा चुनाव की बड़ी तैयारियां हैं। हार के डर और सत्ता विरोधी रूझान को खत्म करने के लिए पार्टी ने नया ब्लू-प्रिंट तैयार किया है। भारतीय जनता पार्टी ने सीएम योगी के नेतृत्व में 2०27 के चुनाव का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया है। विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी की जातियों की गिनती, पीडीए और 'प्लान 1००' की काट के लिए योगी ने आक्रामक हिंदुत्व और विकास का फॉर्मूला लागू किया है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में पुराने विवादों और तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर सपा और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। वे विपक्षी दलों को जनता के सामने बेनकाब करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। दरअसल 2०24 के आम चुनाव में यूपी के नतीजों ने बीजेपी को सतर्क कर दिया है। इसे देखते हुए पार्टी 2०27 में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती और अभी से जमीनी पकड़ मजबूत कर रही है। योगी लगातार जनसभाएं, 'जनता दर्शन' और करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन करके जनता के बीच सीधे पहुंच बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 'पौधरोपण महायज्ञ-2०26' जैसे बड़े अभियानों का भी शुभारंभ किया है। कुल मिलाकर, वे चुनावी हार के जोखिमों को टालने और पार्टी संगठन को पूरी तरह एक्टिव रखने के लिए अभी से चुनावी मोड़ में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। पार्टी राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में

वापसी के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस लगातार राज्य के मुद्दों, कानून-व्यवस्था और जातिगत राजनीति को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। इसका काररा जवाब देने के लिए योगी ने राजनीतिक रैलियों और बयानों का रुख अपना लिया है। आगामी स्थानीय और बड़े चुनावों के मद्देनजर भाजपा का फोकस हिंदुत्व, सुरक्षा और विकास के 'योगी मॉडल' को जनता के बीच रखने पर है। अयोध्या के हनुमा-नगढ़ी विवाद और वक्फ बोर्ड जैसे मुद्दों पर योगी के आक्रामक रुख इसी चुनावी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों को निर्देश देकर बृथ-स्तर और सांगठनिक स्तर पर सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं, ताकि पिछले कुछ चुनावों में आए उतार-चढ़ाव से सीख लेकर स्थिति मजबूत की जा सके। उधर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी इन समीकरणों से अनजान नहीं हैं। वह भी सीधे हमलावर हैं। इन दिनों उन्होंने योगी के हार्ड हिंदुत्व के जवाब में साफ्ट हिंदुत्व की हथियार बनाया है। उन्हे लगता है कि इसके सहारे वह यूपी की 2०27 के विधानसभा चुनाव की वैतरिणी पर कर लेंगे।

जरा हटके

आपातकालीन सेवाओं ...



अखिलेश मणि त्रिपाठी

108 ई.एम.टी.एस. एम्बुलेंस सेवा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की जीवनरेखा है



जीवन अनिश्चितताओं से भरा है। सड़क दुर्घटना, अचानक हृदयाघात, गंभीर बीमारी अथवा प्रसव जैसी आपातकालीन परिस्थितियां किसी भी व्यक्ति और परिवार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती हैं। ऐसे समय में चिकित्सा सहायता का हर एक मिनट अमूल्य होता है, क्योंकि समय पर उपचार ही कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करता है। इसी आवश्यकता को समझते हुए उत्तर प्रदेश में संचालित 108 ई.एम.टी.एस. (इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सर्विस) एम्बुलेंस सेवा आज करोड़ों लोगों के लिए भरोसे, सुरक्षा और जीवन रक्षा का पर्याय बन चुकी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, त्वरित और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। 108 एम्बुलेंस सेवा इसी संवेदनशील और जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है, जिसने संकट की घड़ी में लाखों परिवारों को नई उम्मीद दी है। स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक सफलता केवल आधुनिक अस्पतालों या चिकित्सकों की उपलब्धता से नहीं, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि आपातकाल की स्थिति में मरीज तक चिकित्सा सहायता कितनी शीघ्र पहुंचती है। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता किसी वरदान से कम नहीं होती। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 108 ई.एम.टी.एस. सेवा को एक



ऐसी समर्पित आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के रूप में विकसित किया गया है, जो चौबीसों घंटे, वर्ष के सभी 365 दिन बिना किसी भेदभाव के आमजन की सेवा में तत्पर रहती है। यह व्यवस्था पूरी तरह एकीकृत कॉल सेंटर आधारित प्रणाली पर संचालित होती है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक दुर्घटना, गंभीर बीमारी, हृदयाघात, प्रसव पीड़ा अथवा अन्य चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में केवल टोल-फ्री नंबर 108 डायल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकता है। सूचना प्राप्त होते ही अत्याधुनिक संचालन प्रणाली के माध्यम से निकटतम एम्बुलेंस को मौके के लिए रवाना किया जाता है, जिससे मरीज तक कम से कम समय में चिकित्सा सहायता पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने समय के साथ इस सेवा को और अधिक प्रभावी, तेज और उत्तरदायी बनाने के लिए इसके संचालन तंत्र में निरंतर सुधार किए हैं। सेवा के प्रारंभिक चरण में शहरी क्षेत्रों में

एम्बुलेंस के 20 मिनट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन जुलाई 2019 से लागू नए संचालन मॉडल के अंतर्गत इस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए अधिकतम 15 मिनट का रिसॉन्स टाइम धरकर केवल 7.30 मिनट रह गया, जो निर्धारित मानक से भी कहीं अधिक बेहतर उपलब्धि है। यह सुधार इस बात का प्रमाण है कि समयबद्ध चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए एम्बुलेंस बेड़े का भी व्यापक विस्तार किया गया है। सेवा के शुरुआती

वर्षों में जहां प्रदेश में 1,488 एम्बुलेंस संचालित थीं, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 2,200 हो गई है। इसी प्रकार प्रत्येक एम्बुलेंस द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले औसत फेरों (ट्रिप्स) की संख्या 4 से बढ़ाकर 5 कर दी गई है। संसंधनों में यह वृद्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्रदेश के अधिक से अधिक नागरिकों तक समयबद्ध चिकित्सा सहायता पहुंचना संभव हुआ है। बढ़ती जनसंख्या और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए यह विस्तार सरकार की दूरदर्शी कार्ययोजना को भी दर्शाता है।

108 ई.एम.टी.एस. सेवा को सबसे बड़ी सफलता उन करोड़ों लोगों की जिंदगी में दिखाई देती है जिन्हें समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकी। अपनी स्थापना, से लेकर जनवरी 2026, तक यह सेवा लगभग 3.60 करोड़ रोगियों तक पहुंचकर उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने और आवश्यक

चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। यह संख्या केवल सेवा के व्यापक विस्तार का परिचायक नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के विश्वास की भी कहानी है जिनके लिए यह एम्बुलेंस संकट की घड़ी में जीवन की नई आशा बनकर पहुंची। इस सेवा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है। विशेष रूप से गरीब, ग्रामीण, बुजुर्ग, महिलाएं, नवजात शिशु और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए यह सेवा किसी जीवनादायिनी व्यवस्था से कम नहीं है। दूरस्थ क्षेत्रों में जहां निजी चिकित्सा सुविधाएं सीमित हैं, वहां 108 एम्बुलेंस लोगों और अस्पतालों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रही है। इससे न केवल समय पर उपचार सुनिश्चित हुआ है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास भी लगातार मजबूत हुआ है।



पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्यात आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए दोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच धरोत्र उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ भी सामन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनश्लोकाव, जिसे प्रधानमंत्री अल्वनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूजीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड के पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

- अशोक भाटिया

तस्वीरों में दर्ज समय का सत्य

इतिहास केवल लिखा नहीं जाता, वह देखा भी जाता है। कई बार किसी युग को समझने के लिए इतिहासकारों की पुस्तकों से अधिक विश्वसनीय वे छवियाँ होती हैं, जो अपने समय की अनायास साक्षी बन जाती हैं। शब्द इतिहास की व्याख्या करते हैं, जबकि तस्वीरें इतिहास की उपस्थिति का प्रमाण बनती हैं। यही कारण है कि आधुनिक इतिहास-लेखन में दृश्य-संस्कृति और फोटो पत्रकारिता का महत्व लगातार बढ़ा है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि किसी समाज की सामूहिक स्मृति केवल दस्तावेजों, संस्मरणों और सरकारी अभिलेखों से निर्मित नहीं होती; उसमें कैमरे की आँखें से दर्ज दृश्य भी उतने ही निर्णायक होते हैं। भारतीय भाषाओं में फोटो पत्रकारिता पर गंभीर पुस्तकों का अभाव लंबे समय से महसूस किया जाता रहा है। पत्रकारों के संस्मरण तो उपलब्ध हैं, किंतु कैमरे के पीछे खड़े उस व्यक्ति की दृष्टि, संवेदना और इतिहास-बोध पर बहुत कम काम हुआ है, जिसने घटनाओं को दृश्य रूप में संरक्षित किया। इसी संदर्भ में रोहित कांत द्वारा संपादित 'यह फोटो जर्नलिस्ट: अ मेमॉयर ऑफ लेट राजीव कांत' तथा 'बिहार के छायाकार : र.व. राजीव कांत की छाया स्मृति' का प्रकाशन केवल एक पारिवारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारतीय पत्रकारिता और दृश्य इतिहास के संरक्षण का उल्लेखनीय सांस्कृतिक उपक्रम है। इन पुस्तकों को पढ़ते हुए सबसे पहले यह अनुभव होता है कि वे किसी व्यक्ति-विशेष का महिमामंडन नहीं करती, बल्कि एक पूरे दौर की पत्रकारिता की कार्य-संस्कृति को पुनर्जीवित करती हैं। यह वह समय था जब समाचार की विश्वसनीयता कैमरे के फ्रेम में तय होती थी, जब एक तस्वीर के लिए कई घंटे प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जब नेगेटिव की सीमित रील में हर क्लिक की कीमत होती थी, और जब फोटो पत्रकारिता तकनीकी कौशल से अधिक धैर्य, संवेदना और नैतिक

जिम्मेदारी का प्रश्न थी। आज के डिजिटल युग में, जहाँ छवियाँ क्षणों में बनती और विस्मृत हो जाती हैं, वहाँ ये पुस्तकें हमें उस पत्रकारिता की याद दिलाती हैं जिसमें तस्वीरें खबर से अधिक इतिहास का हिस्सा बनती थीं। राजीव कांत की विशेषता केवल यह नहीं थी कि उन्होंने अनेक ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की तस्वीरें खींचीं। उनकी वास्तविक पहचान इस बात में है कि उन्होंने सत्ता और समाज के बीच के संबंधों को कैमरे की दृष्टि से समझा। उनके यहाँ जयप्रकाश नारायण, कपूरि ठाकुर, इंदिरा गांधी, चंद्रशेखर या जॉर्ज फर्नांडिस जितने महत्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्त्व एक किसान, नाविक, मजदूर, लोक कलाकार या मेले में उमड़ी भीड़ का भी है। यह दृष्टि उन्हें सत्ता-केंद्रित फोटो पत्रकारिता से अलग करती है। वे घटनाओं के नहीं, समय के छायाकार हैं। यहीं से इन पुस्तकों का वैचारिक महत्व आरंभ होता है। वे केवल दुर्लभ तस्वीरों का संग्रह नहीं हैं; वे इस प्रश्न को भी सामने लाती हैं कि इतिहास किस चेहरों को याद रखता है और किन्हें भुला देता है। राजीव कांत के कैमरे में बार-बार लौटकर आने वाला आम आदमी दरअसल उसी विस्मृत इतिहास का प्रतिनिधि है, जिसे प्रायः मुख्यधारा की राजनीति और इतिहास-लेखन में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। इस अर्थ में उनकी तस्वीरें लोकतांत्रिक हैं। वे सत्ता के वैभव से अधिक समाज की धड़कनों को दर्ज करती हैं। इन दोनों पुस्तकों का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे दृश्य-स्मृति को निजी संग्रह से निकालकर सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाती हैं। भारत में दृश्य अभिलेखों के संरक्षण की संस्कृति अभी भी पर्याप्त विकसित नहीं हो सकी है। अनेक महत्वपूर्ण फोटो पत्रकारों के नेगेटिव समय के साथ नष्ट हो गए या निजी अलमारियों में बंद रह गए।

यूएसडीटी के जरिए चीन तक भेजते थे पैसा, डार्क नेट के जरिए संपर्क, बैंक खातों व ट्रांजैक्शन की जानकारी साझा करते थे

साइबर टगों को 'म्यूल अकाउंट' देने वाले 9 आरोपी गिरफ्तार

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में क्राइम ब्रांच और मडियांव पुलिस ने साइबर टगों को म्यूल अकाउंट देने वाले गिरोह के 9 लोगों को रविवार सुबह गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 53,100 रुपए नकद, 50 एटीएम/क्रैडिट कार्ड, 2 पासबुक, 3 चेकबुक, एक टैबलेट, एक आईपैड, एक कार और एक बाइक बरामद की है। आरोपी USDT के जरिए रुपए को चीनी टगों तक पहुंचाते थे। डार्क नेट की मदद संपर्क में रहते थे। डीसीपी नाथ गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम को JMIS समन्वय पोर्टल से सैद्धिग म्यूल अकाउंट की जानकारी मिली थी।

फास्ट न्यूज

बुजुर्ग का शव चिता से उठाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

लखनऊ। लखनऊ के गोसाइगंज क्षेत्र में 80 साल की महिला की मौत के बाद अंतिम संस्कार को लेकर मायके और ससुराल पक्ष के बीच शनिवार दोपहर 4 बजे विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, सिधौली खुर्द निवासी विद्यावती की शादी निगोहा थाना क्षेत्र के बकतरी खेड़ा निवासी मातादीन से हुई थी।

लखनऊ में बाबा बुद्धेश्वर मंदिर का दानपात्र चोरी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बाबा बुद्धेश्वर मंदिर में एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। मंदिर के मुख्य गेट के पास नारियल फोड़ने के स्थान पर रखे दानपात्र को अज्ञात चोर उठाकर फरार हो गए। दानपात्र में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई हजारों रुपए की नकदी होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह जब मंदिर के कपाट खोलने पुजारी गए, तब मुख्य प्रवेश द्वार के पास रखा दानपात्र गायब मिला। मंदिर प्रबंधन ने तत्काल पारा पुलिस को सूचना दी।

लखनऊ में चलती स्कॉर्पियो में महिला से रेप की कोशिश

लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज इलाके में जमीन के दस्तावेज देने के बहाने एक विधवा महिला को स्कॉर्पियो में बैठाकर दुष्कर्म की कोशिश की गई। आरोपियों ने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाने के बाद अश्लील हरकत शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपियों ने सीएमओ कार्यालय के पास चलती गाड़ी से धक्का दे दिया।

सहभागिता : वृक्षारोपण के साथ संरक्षण का भी लें संकल्प, आने वाली पीढ़ियों को दें स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण: ए.के. शर्मा

‘एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन आंदोलन बनाएं’

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आजमगढ़ जनपद ने जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 65 लाख पौधरोपण का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अभियान में सहभागिता निभाई। जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम गंभीर वन (एसकेपी मैदान) सहित विभिन्न



स्थानों पर आयोजित हुआ, जहाँ मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने संबोधन में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, मातृत्व और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है और आजमगढ़ ने 65 लाख



पौधरोपण कर इस संकल्प को नई मजबूती प्रदान की है। शर्मा ने कहा कि जनपद में 65 लाख पौधरोपण का लक्ष्य आजमगढ़वासियों की सक्रिय भागीदारी से पूरा हुआ है। यह केवल एक सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि जनसहभागिता से प्रकृति संरक्षण का ऐतिहासिक अभियान है। पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है, तभी

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर तैयार चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया तथा उन्हें पौधे भेंट कर प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

हरित, स्वच्छ और स्वस्थ उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे धरती का आभूषण हैं तथा जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम व्यापक वृक्षारोपण है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।



आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का खाता खुलवाते

जांच में सामने आया कि आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर और भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे। बाद में उनसे एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल नंबर, इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड और ओटीपी अपने कब्जे में ले लेते थे। इन खातों का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जाता था। साइबर टगों से आने वाली रकम इन्हीं खातों में जमा होती थी, जिसे आरोपी एटीएम से निकाल लेते थे या आगे दूसरे खातों में ट्रांसफर कर देते थे।

अब्दुल्ला (22), मोहिबुल्लापुर मडियांव निवासी मोहम्मद बसर (21), आईआईएम रोड मडियांव निवासी मोहम्मद रूबान (21), लालबाग हजरतगंज निवासी

आरोपी टेलीग्राम समेत अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए विदेशी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहते थे और बैंक खातों व ट्रांजैक्शन की जानकारी साझा करते थे।

आजम और अब्दुल के जरिए जुड़े थे नेटवर्क से

पृष्ठतः में आरोपियों ने बताया कि वे आजम और अब्दुल नामक व्यक्तियों के जरिए इस नेटवर्क से जुड़े थे। इनके निर्देश पर अलग-अलग जिलों में बैंक खाते खुलवाए जाते थे और टगों की रकम निकालने या उसे USDT में बदलकर विदेश व विशेषकर चीनी साइबर अपराधियों तक पहुंचाता था। नेटवर्क में शामिल हर सदस्य को उसकी भूमिका के अनुसार कमीशन मिलता था।

शाबिर (27), सिकंदर (21), नजरबाग हुसैनगंज निवासी फरनाक (26), पुर्कैल (24) के रूप में हुई।

लोकोत्तर की मजबूती के लिए विधायिका का सशक्त, जागरूक और जिम्मेदार होना आवश्यक : सतीश महाना

भारतीय संविधान ने विधायिका को महत्वपूर्ण शक्तियां प्रदान की

तमसा संकेत, संवाददाता

पटना/लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायिका का सशक्त, जागरूक और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग होना अत्यंत आवश्यक है। भारतीय संविधान ने विधायिका को महत्वपूर्ण शक्तियां प्रदान की हैं। इसलिए एक विधायक की सबसे बड़ी पहचान विधानसभा से ही बनती है। उन्होंने कहा कि सहमति-असहमति, संवाद और सार्थक चर्चा लोकतंत्र की मूल भावना को मजबूत करते हैं।

बिहार विधानसभा के नवनिर्वाचित एवं वर्तमान सदस्यों के लिए गया जी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपाई) परिसर में आयोजित दो दिवसीय



विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग

महाना ने कहा कि विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। कार्यपालिका की इन समितियों के प्रति जवाबदेही तय है। जनहित के विषयों को लेकर

अधिकारियों से प्रश्न करना, जानकारी प्राप्त करना और आवश्यक दिशा-निर्देश देना समितियों का अधिकार होने के साथ-साथ उनकी जिम्मेदारी भी है।

‘प्रबोधन कार्यक्रम’ में श्री महाना ने विधायकों को संसदीय परंपराओं, विधायी प्रक्रियाओं और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था लोकतांत्रिक व्यवस्था है, राजशाही नहीं। अब शासन व्यवस्था बूलेट की ताकत से संचालित होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के

कागजों पर लगाए गए पेड़, जमीन पर नहीं दिख रहे

सभा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हर विभाग और हर योजना में बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार योजनाएं जनहित के बजाय भ्रष्टाचार के उद्देश्य से बनाती है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से वृक्षारोपण के नाम पर केवल कागजी दावे किए जा रहे हैं। जो पौधे लगाए भी गए, उनमें से कई उचित देखभाल और पानी के अभाव में सूख गए।

और गोमती रिवरफ्रंट परियोजना के जरिए नदियों के संरक्षण का उदाहरण पेश किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने गोमती रिवरफ्रंट की अनदेखी कर उसे खराब स्थिति में पहुंचा दिया।

प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में वृहद वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के संवर्धन के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में वृहद वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामवासियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाने तथा उन्हें अपने जीवन की अमूल्य संपत्ति के रूप में संभाल करने का संदेश दिया गया। सभी से अपील की गई कि वे पौधों को अपने किसी प्रियजन के नाम से अपनाएं तथा उनकी नियमित सिंचाई, खाद एवं देखभाल की जिम्मेदारी निभाएं। इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के कार्यालय से विनोद वर्मा (पूर्व ज्येष्ठ डॉक्टर प्रमुख, मोहन-लालगंज) उपस्थित रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया।



कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा गठित युवा समाजसेवी टीम के सदस्य गुलशन कुमार, शिक्षामित्र सतीश कुमार, सरिता देवी, अनेक अभिभावकों एवं ग्रामवासियों के साथ मगर मिशन के सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की और वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया। विद्यालय की शिक्षिका रीना त्रिपाठी ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को मुख्य रूप से फलदार पौधों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जंगली एवं स्थानीय प्रजातियों के फलदार वृक्षों की संख्या लगातार घट रही है, जिससे गैर्रैया, तोता तथा अनेक अन्य पक्षियों के भोजन और प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहे हैं।



जनता को अपने प्रतिनिधि पर यह भरोसा होना चाहिए

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनता को अपने प्रतिनिधि पर यह भरोसा होना चाहिए कि वह उनके हितों की रक्षा करेगा और किसी भी परिस्थिति में उनका अधिकार नहीं होने देगा। जनप्रतिनिधियों के प्रति जनता की अपेक्षाएं स्वाभाविक रूप से अधिक होती हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना हमारा कर्तव्य भी है और लोकतंत्र द्वारा दिया गया महत्वपूर्ण दायित्व भी।

चारों स्तंभों की अपनी-अपनी भूमिका, सीमाएं और जिम्मेदारियां निर्धारित हैं लेकिन विवाद की स्थिति तभी उत्पन्न होती है, जब कोई एक स्तंभ दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर टकराने का प्रयास करता है। इसलिए लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि सभी स्तंभ अपनी संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करते हुए अपनी भूमिका का प्रभावी निर्वहन करें।

मोदी के ट्रस्ट की जांच करने में बेबस हैं योगी: संजय सिंह

‘राम मंदिरघोटाले के 26 सबूतों के साथ कोर्ट जाऊंगा’

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की योगी सरकार पर राम मंदिर निर्माण और जमीन खरीद में हुए भ्रष्टाचार को दबाने का तीखा हमला बोला है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो ‘दूध का दूध और पानी का पानी’ करने की कसम खाई थी, वह अब खोखली साबित हो रही है क्योंकि एसआईटी (SIT) को निर्माण कार्यों और जमीन घोटाले की जांच से ही बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में 40% कमीशन खाया गया और चंदे के पैसे से करोड़ों का जमीन घोटाला किया गया। संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि चूँकि यह ट्रस्ट सीधे प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया है, इसलिए मुख्यमंत्री की हिम्मत नहीं है कि वे भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाल



सके। उन्होंने घोषणा की कि वे 26 पुख्ता दस्तावेजों के साथ कोर्ट जाएंगे ताकि प्रभु श्री राम को लूटने वालों को कड़ी सजा मिल सके। सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के पुगने दावों पर तंज करते हुए कहा कि जब मंदिर में चोरी का मामला खुला था, तब मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा था कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी सबूत हैं वे एसआईटी को दिए जाएं। सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन आज की खबरें बता रही हैं कि एसआईटी न निर्माण कार्य की जांच करेगी और न जमीन घोटाले की।

योगी सरकार में पर्यावरण संरक्षण बना जन अभियान : राकेश सचान



कानपुर में खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने ‘एक पेड़ माँ के नाम 2.0’ के तहत किया पौधरोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर नगर / लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को हरित और स्वच्छ बनाने के संकल्प के तहत शनिवार को प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग मंत्री

राकेश सचान ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नवाबगंज, कानपुर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान एक पेड़ माँ के नाम 2.0 में सहभागिता कर पौधरोपण किया। मंत्री राकेश सचान ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण को जन अभियान

का रूप दे रही है। “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान माँ के प्रति श्रद्धा और धरती माँ के प्रति कर्तव्य का प्रतीक है। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है और हर विभाग, हर संस्थान इस हरित महायज्ञ में सक्रिय भागीदारी कर रहा है। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की जियो-टैगिंग और नियमित देखभाल सुनिश्चित की जा रही है ताकि उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने का सपना साकार हो सके।

बटलर और ब्रूक की रिकॉर्ड साझेदारी, ट्रेफिक में फंसी टीम इंडिया, स्टेडियम देरी से पहुंची भारत पहली बार सीरीज में चार मैच हारा

टूर्नामेंट

साउथैम्पटन, एजेंसी

इंग्लैंड ने पांचवे टी-20 मैच में भारत को 56 रन से हरा दिया। टीम इंडिया पहली बार किसी सीरीज या टूर्नामेंट में 4 मैच हारी है। इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 257 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है।

यह मैच आधे घंटे से देरी से शुरू हुआ। दरअसल भारतीय टीम ट्रेफिक की वजह से आधे घंटे देरी से स्टेडियम पहुंची।

बटलर और ब्रूक ने 233 रन जोड़कर टी-20 में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी की। यह टी-20 में इंग्लैंड के लिए किसी भी विकेट के लिए



डी कॉक और डेविड मिलर के नाम था। उन्होंने 2022 में गुवाहाटी में नाबाद 174 रन जोड़े थे। बटलर और ब्रूक ने साउथम्पटन में 233 रन की पार्टनरशिप की। यह टी-20 में इंग्लैंड के लिए किसी भी विकेट के लिए

सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले डेविड मलान और इंगो मोर्गन ने 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में 182 रन जोड़े थे। बटलर ने टी-20 में इंग्लैंड के लिए दूसरी सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने 131

इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 257 रन बनाए। टी-20 में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का यह सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के ही नाम था। टीम ने 2026 में वानखेड़े स्टेडियम में 246 रन बनाए थे।

भारत सीरीज में 4 मैच हारा

भारत सीरीज में 4 मैच हारा। यह किसी टी-20 सीरीज या टूर्नामेंट में भारत को मिली सबसे ज्यादा हार है। इससे पहले टीम किसी भी सीरीज या टूर्नामेंट में 3 से ज्यादा मैच नहीं हारी थी। हैरी ब्रूक ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 229 रन बनाए। वे भारत के खिलाफ किसी बाइलेटरल सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 2022 में भारत के खिलाफ 3 मैचों में 184 रन बनाए थे।

बटलर-ब्रूक ने 233 रन की पार्टनरशिप की

बटलर और ब्रूक ने टी-20 में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 233 रन जोड़े। अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजाई और उस्मान गनी टॉप पर हैं। उन्होंने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ देहरादून में 236 रन की पार्टनरशिप की थी।

रन बनाए। फिल साल्ट ने 2025 में टीम के लिए हाईएस्ट स्कोर बनाया था। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैनचेस्टर में नाबाद 141 रन की पारी खेली थी। अभिषेक शर्मा बिना कोई दूसरा फॉर्मेट खेले सबसे ज्यादा



भारतीय टीम देरी से स्टेडियम पहुंची।

इंग्लैंड ने 17 छक्के लगाए

इंग्लैंड ने साउथैम्पटन में 17 छक्के लगाए। यह भारत का किसी टी-20 मैच में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। वेस्टइंडीज ने 2016 में भारत के खिलाफ सबसे छक्के लगाए थे। उन्होंने लॉर्डहिल में खेले गए मुकाबले में 21 छक्के लगाए थे।

श्रेयस अय्यर ने टी-20 में लगातार टॉस जीतने के मामले में धोनी की बराबरी की। उन्होंने 2026 में लगातार 7वीं बार टॉस जीता। धोनी ने भी 2010 से 2012 के बीच लगातार 7 टॉस जीते थे। विराट कोहली 6 टॉस के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

वनडे में ये कारनामा करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन सकते हैं कोहली

सचिन तेंदुलकर के बाद अब विराट की बारी

नई दिल्ली। टी20 सीरीज में क्लौन स्वीप के बाद अब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। 14 जुलाई से इस सीरीज का आगाज होगा। पहला मुकाबला एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा।

विराट कोहली ने 8 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक खेले 311 वनडे की 299 पारियों में 14797 रन बनाए हैं। इस दौरान विराट ने 77 अर्धशतक और 54 शतक लगाए हैं। वह वनडे में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली एकदिवसीय प्रारूप में 15000 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 203 रन दूर हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में विराट इस



आंकड़े को पार कर सकते हैं। विराट कोहली आखिरी बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले नजर आए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दूसरी बार IPL ट्रांफी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वालेकोहली अफगानिस्तान

के विरुद्ध 13 जून से शुरू हुई तीन वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए थे। विराट को हैमस्ट्रिंग इंजरी थी। अब वह एक बार फिर एक्शन में नजर आने वाले हैं। वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम बर्मिंघम पहुंची थी।

इस दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वनडे सीरीज के दौरान विराट कोहली के पास इतिहास रखने का मौका है। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के खास क्लब में भी शामिल हो जाएंगे।

कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया, करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी 21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (£3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।



जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गई और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्वीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाईंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा, 'दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से

ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ, जो मेरे लिए फ्लाइंट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए।' हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा, 'शब्द ढूँढना



लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंड्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी 'पूर्व से दबाव को संभाला और खेला, वह दोस्त' (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से अविश्वसनीय था। आप इस जीत की शुरुआत करेंगी। आपने जिस तरह हकदार हैं।'

मनोरंजन

14 साल की उम्र में हेमा मालिनी से छिनी गई थी फिल्म गोविन्दा की पत्नी सुनीता आहूजा और बेटे यश का बॉलीवुड डेब्यू, एकता कपूर की फिल्म लगी हाथ ‘मां और बेटे एक साथ लॉन्च’

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की वेटेन एक्ट्रेस के तौर पर हेमा मालिनी को जाना जाता है। हाल ही में हेमा ने फिल्म इंडस्ट्री में 6 दशक का सुनहरा सफर पूरा किया है। इस दौरान उन्होंने जीवन में सफलता और असफलता के मामले पर खुलकर बात की है। सफलता से पहले असफलता मिलती है, तो व्यक्ति मजबूत बनता है। यह बात अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शुक्रवार को मुंबई में हुए ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कार्यक्रम के दौरान बातचीत में कही, जो सिनेमा में उनके 60 साल से ज्यादा समय पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। हेमा मालिनी ने उस दौर को याद किया, जब उन्हें पहली बार रिजेक्ट किया गया था। उन्होंने कहा- हम दिल्ली से चेन्नई शिफ्ट हुए थे। वहां मेरा डांस करियर काफी बेहतर हो गया था। उस दौरान मैंने सीखा की सफलता से पहले मिली असफलता कैसे मजबूत बनाती है। उस दौरान भरतनाट्यम शो देखने के लिए दक्षिण भारतीय निर्माता आते थे, जो वहां से फिल्मों के लिए कलाकार चुनते थे। मुझे पहला मौका तमिल फिल्म में मिला। मैं 14 साल की थी। मां ने कहा कर लो। 10 दिन की शूटिंग के बाद मैं रिजेक्ट हो गई। खराब लगा था। मां ने कहा की हार मत मानो, मजबूत रहो। उस वक्त एक वकील थे अनंत स्वामी, उन्होंने कहा कि तुम अच्छा डांस करती हो, मैं एक हिंदी फिल्म बना रहा हूँ।



नई दिल्ली। गोविंदा ने दशकों तक अपनी बेहतरीन एक्टिंग और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का मनोरंजन किया है। लेकिन पिछले कुछ सालों में उनकी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा उनकी पर्सनल लाइफ चर्चा में रही है। वहीं उनके परिवार पत्नी सुनीता आहूजा इस खतरा रिजिलिटी शो लॉक अप 2 में नजर आ रही है। ANI के साथ एक इंटरव्यू में फिल्म के बारे में डिटेल्स शेयर करते हुए, सुनीता आहूजा ने बताया कि फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी। उन्होंने यह भी बताया कि वह फिल्म में यश की मां का रोल करेंगी। उन्होंने बताया, 'मैं यश के साथ एक फिल्म कर रही हूँ। सितंबर में पिकचर रिलीज होगी। मैं एकता कपूर (Ekta Kapoor) को बहुत प्यार करती हूँ। उनकी वजह से मैंने नेटफ्लिक्स (Netflix) का शो किया, और मैं उनसे



बहुत प्यार करती हूँ। वो भी मुझे बहुत प्यार करती हैं। यश की पिकचर में मैं उसकी मां का ही रोल कर रही हूँ। सुनीता आहूजा (Sunita Ahuja) ने आगे कहा, 'शायद इंडस्ट्री में पहली बार ऐसा होगा कि मां और बेटा एक साथ लॉन्च हो रहे हैं। प्लोज यश को अपना आशीर्वाद और प्यार दें। मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि आप सब मेरे बेटे यश की भी वही प्यार और आशीर्वाद दीजिए जो आपने हमेशा मुझे दिया है।' खास बात यह है कि सुनीता और गोविंदा की बेटी टीना पहले

एक साथ डेब्यू करेंगे सुनीता और यश फैंस उम्मीद कर रहे थे कि अब गोविंदा के बेटे यश फिल्मों में डेब्यू करेंगे लेकिन फैंस के लिए डबल खुशखबरी है, दरअसल सुनीता आहूजा (Sunita Ahuja) ने हाल ही में खुलासा किया कि मां और बेटे यानी खुद सुनीता और यश एक साथ फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात ये है कि दोनों एकता कपूर की फिल्म से डेब्यू करने जा रहे हैं।

हो एक्टिंग में हाथ आजमा चुकी हैं। उन्होंने 2015 की फिल्म सेकंड हैंड हर्सबैंड से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

इस तारीख को ओटीटी पर ब्लॉकबस्टर हॉरर थ्रिलर देगी दस्तक नेटफ्लिक्स पर दहशत फैलाने आ रही ऑब्सेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

2026 की टॉप हॉरर फिल्मों में शुमार ऑब्सेशन अब बड़े पर्दे से उतरकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने की तैयारी में है। इस फिल्म को सिनेमाघरों में खूब देखा गया और अब ओटीटी पर आने का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यही वजह है कि लंबे समय से चर्चाएं हो रही हैं कि आखिर ऑब्सेशन कब ओटीटी पर दर्शकों को ऑब्सेस करने आ रही है।

अब दर्शकों का ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है, क्योंकि दो महीने बाद पता चल गया है कि फिल्म आखिर कब और किस ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। ऑब्सेशन एक साइकोलॉजिकल



हॉरर थ्रिलर है जिसका निर्देशन फेमस यूट्यूबर करी बार्कर (Curry Barker) ने किया है। कम बजट की ऑब्सेशन में कोई ए-लिस्ट स्टार्स नहीं हैं। इस फिल्म में इंडो नवारेट, माइकल जॉन्सन और मेगन लॉलेस ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। करी बार्कर ने फिल्म का निर्देशन करने के साथ-

साथ कहानी भी लिखी है और एडिटिंग भी की है। कहानी बियर और निक्की के इर्द-गिर्द घूमती है। बियर, निक्की से प्यार करता है और चाहता है कि वह भी उसे पागलों की तरह चाहे। एक रोज उसे एक 'वन विश विलो' मिलता है जिससे वह मांगता है कि निक्की सिर्फ और सिर्फ उससे प्यार पर स्ट्रीम होगी।

डरावने सीन्स करते हैं हैरान

फिल्म की कहानी आपकी रूढ़ कंपाने के लिए काफी है। 1 घंटे 49 मिनट की फिल्म में कोई बड़े डरावने शॉट्स या खतरनाक डायलॉग्स नहीं हैं। इसके बावजूद फिल्म का हर सीन आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। कलाकारों के एक्सप्रेशन भर ही दर्शकों के दिलों में दहशत फैला देते हैं।

फिल्म रिलीज के बाद दुनियाभर में चर्चा में रही। बॉक्स ऑफिस भोजी के मुताबिक, इस फिल्म ने दुनियाभर में 409 मिलियन डॉलर के आसपास कारोबार कर लिया है जो भारतीय रुपये में 3900 करोड़ के करीब है।

करे। वह विश मांगकर उसे तोड़ देता है और आखिर में उसका ख्याब पूरा हो जाता है। मगर उसे नहीं मालूम होता है कि उसे इस विश की डरावनी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विश एक खतरनाक मोड़ ले लेता है। सिनेमाघरों में गदर काटने के बाद अब ऑब्सेशन ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। 'वट्स ऑन नेटफ्लिक्स' के मुताबिक, IMDb से 8 रेटिंग हासिल करने वाली ये हॉरर थ्रिलर नेटफ्लिक्स (Netflix) पर स्ट्रीम होगी।



'स्पाइडरमैन' फेम टॉम हॉलैंड ने पी कटिंग चाय 'द ओडिसी' के भारत में प्रीमियर से पहले क्रिस्टोफर नोलन के साथ पहुंचे कैफे

नई दिल्ली। मुंबई में शनिवार को क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का भारतीय प्रीमियर हुआ। स्पेशल स्क्रीनिंग में नोलन के साथ टॉम हॉलैंड और मेट डेमन भी शामिल हुए। प्रीमियर से पहले तीनों एक कैफे में चाय पीने के लिए रुके। यूनिवर्सल पिकचर्स इंडिया ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'मुंबई में 'द ओडिसी' के प्रीमियर से पहले चाय के लिए छोटा सा ब्रेक। एक बड़ी रात का इंतजार है, लेकिन चाय सबसे पहले!' तस्वीरों पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कई प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने लिखा, 'रेड कार्पेट से पहले चाय का ब्रेक।' एक यूजर ने लिखा, 'दशक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने के बाद भी, सादगी बरकरार।' फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई में हुए प्रीमियर में फिल्म की कास्ट और मेकर्स के साथ-साथ कई बॉलीवुड सेलेब्स भी पहुंचे। मेट डेमन, ऐनी हैथवे, टॉम हॉलैंड, रॉबर्ट पैटनसन, लुपिता न्यॉंगो, सामंथा मॉर्टन, जेंडया और चालीज थोरॉन स्टारर 'द ओडिसी' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। क्रिस्टोफर नोलन ने कहा कि वह 'टैनेट' का प्रीमियर भारत में करना चाहते थे, क्योंकि उसकी शूटिंग मुंबई में हुई थी। हालांकि, कोविड महामारी के कारण ऐसा नहीं हो सका।

अमेरिकी अटैक के जवाब में कार्रवाई, यूएस ने ईरान के 140 टिकानों पर बम गिराए

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 6 देशों पर हमला किया

कार्रवाई

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी

अमेरिका की एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने मिडिल-ईस्ट में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रविवार को ईरान ने 6 देशों जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, कतर, UAE और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, यह बमबारी होर्मुज स्ट्रेट में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के



बाद की गई। जहाज में आग लग गई, इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया। इसके बाद ईरान ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस, कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट, बहरीन में अमेरिकी सैन्य संचार केंद्र, जबकि कतर और UAE की ओर भी मिसाइल और ड्रोन दागे। इसके अलावा ईरान

फास्ट न्यूज

चीन में बाढ़ से 18 लाख लोग विस्थापित

नई दिल्ली। जापान और ताइवान में तबाही मचाने के बाद चक्रवात 'बावी' चीन के पूर्वी शहर वेंझोउ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 18 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। वहीं, बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम के कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लाखों लोग बाढ़ में इधर-उधर फंसे हैं।

आयरन लंग इस्तेमाल करने वाली आखिरी यूएस पोलियो मरीज मार्या लिलार्ड का निधन

वाशिंगटन। आयरन लंग इस्तेमाल करने वाली आखिरी US पोलियो मरीज मार्या लिलार्ड का निधन हो गया है। उनकी बहन ने बताया कि 26 जून को ओकलाहोमा में 78 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। मार्या लिलार्ड सिर्फ 5 साल की थीं जब उन्हें पोलियो का पता चला और वे जिंदा रहने के लिए आयरन लंग पर निर्भर थीं। लिलार्ड की छोटी बहन, सिंडी मैकवे ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि उन्हें 20 साल से ज्यादा नहीं जीना चाहिए। उनमें जीने और अपनी जिंदगी को सबसे अच्छा बनाने का जोश और इच्छा थी।

सीरिया में नदी पार करते समय पुल से टकराई फेरी

दमिश्क। पूर्वी सीरिया में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। फरात नदी को पार करते समय 35 से ज्यादा को ले जा रही एक फेरी पुल से टकराकर डूब गई, इस हादसे में दो बच्चों की जान चली गई। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नदी के किनारे अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है।

कारोबार: शहर की आबादी 29 लाख, 6 यूनिकॉन काम कर रहीं स्टार्टअप के मामले में दुनिया में 13वें नंबर पर

यूरोप की सिलिकॉन वैली बना विलनियस

विलनियस, एजेंसी

सुबह के करीब दस बजे हैं। लिथुआनिया की राजधानी विलनियस की साइबर सिटी में कांच की ऊंची इमारतों के बीच तेज कदमों से युवा प्रोफेशनल्स गुजर रहे हैं। एक तरफ नॉर्ड सिक्वोरिटी जैसे दुनियाभर में मशहूर यूनिकॉन का दफ्तर है, तो कुछ ही कदम पर हॉस्टिंगर का। हॉस्टिंगर यानी एक ऐसा स्टार्टअप जिसके यूजर 150 से ज्यादा देशों में हैं। यहां फ्यूचर, एआई और स्टार्टअप जैसे शब्द हर बातचीत में सुनाई देते हैं।

विलनियस को अब यूरोप की 'सिलिकॉन वैली' भी कहा जाने लगा है। यूरोप के इस छोटे से देश लिथुआनिया की आबादी मात्र 29 लाख के करीब है, लेकिन यहां हजारों स्टार्टअप काम कर रहे हैं।



आकार और आबादी में भले ही यह देश छोटा है, लेकिन सोच बड़ी और ग्लोबल है। यूनिकॉन लिथुआनिया की सीईओ गिन्तारे वेरबिकाइते बताती हैं कि आज विलनियस यूरोप की सबसे तेजी से बढ़ती स्टार्टअप सिटी है। इस मामले में दुनिया में भी ये 13वें नंबर पर है। यहां कारोबार स्थानीय नहीं, वैश्विक सोच के साथ शुरू होता है। यहां के लोग कहते हैं कि जब हम कोई स्टार्टअप शुरू करते हैं तो उसे दुनिया की समस्याओं और जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाते हैं, क्योंकि हम सिर्फ लिथुआनिया तक सीमित रहना नहीं चाहते हैं।

अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा।

ईरान बार-बार जहाजों को निशाना क्यों बना रहा?

होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखना: ईरान चाहता था कि सभी जहाज उसके तय किए गए रूट से गुजरें और उसकी बनाई ट्रांजिट अथॉरिटी में रजिस्ट्रेशन कराएं। इससे उसे होर्मुज पर नियंत्रण और भविष्य में शुल्क वसूलने का अधिकार मिलता। ओमान के वैकल्पिक रूट का विरोध: ओमान ने अपने तट के पास नया समुद्री मार्ग शुरू कर दिया, जिससे जहाज ईरान के नियंत्रण वाले रूट से बचकर निकल सकते थे। ईरान को लगा कि इससे होर्मुज पर उसकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। अमेरिका पर दबाव: ईरान को लग रहा है कि अमेरिका क्षेत्र में उसकी ताकत कम करने की कोशिश कर रहा है और हॉर्मुज का कंट्रोल लेना चाहता है।

ने अगले आदेश तक होर्मुज को बंद करने का ऐलान भी किया है। साथ ही कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

CNN ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर दावा किया कि ईरान पारचिन समेत कुछ न्यूक्लियर साइट्स की मरम्मत और दोबारा निर्माण कर रहा है। रिपोर्ट में इसे अमेरिका-ईरान MoU का संभावित उल्लंघन बताया गया।

ईरान ने ओमान पर भी ड्रोन हमला किया

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ओमान भी इसकी चपेट में आ गया है। ओमानी सरकार ने पुष्टि की है कि देश के मुसंदम गवर्नरेट में ड्रोन हमले हुए हैं। ओमान सरकार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि देश और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने या नुकसान की जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है।

इससे पहले ईरान की IRGC ने दावा किया था कि उसने ओमान के दुक्स बंदरगाह पर अमेरिकी विमानवाहक पोतों के लॉजिस्टिक सपोर्ट सेंटर और ईंधन आपूर्ति ठिकानों पर बड़ा हमला किया है।

अमेरिकी सैन्य अडे से घुआ उड़ता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बेस के ऊपर धुएं का गुबार नजर आ रहा है।

इससे पहले ईरान ने दावा किया था कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। वहीं, बहरीन में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया था और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया।



भारत ने ओमान के पास जहाज पर हमले की निंदा की

भारत ने ओमान तट के पास व्यापारी जहाज 'GFS Galaxy' पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने बताया कि जहाज पर सवार 11 भारतीयों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है।

MEA ने कहा कि मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर सर्व ऑपरेशन पर नजर रखे हुए है। भारत ने नागरिक जहाजों पर हमले रोकने, तनाव कम करने और क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने की अपील की है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल करने की भी मांग की है।

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद MoU का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि समझौता तभी चलेगा, जब दोनों पक्ष उसका पालन करें।

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका हजारों मिसाइलों से जवाब देगा।

ट्रंप के करीबी अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का निधन

भारत पर 500% टैरिफ लगाने की करते थे मांग

वाशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका के सीनियर सीनेटर और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम को निधन हो गया। यह जानकारी उनके कार्यालय द्वारा रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर दी गई। उनके कार्यालय ने X पर पोस्ट किए गए एक बयान में बताया कि ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम अचानक हुई बीमारी से निधन हो गया बयान के अनुसार, सीनेटर ग्राहम का परिवार इस समय प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद दिया गया और इस मुश्किल टाइम में प्राइव्सेस बनाए रखने की अपील की गई। जानकारी के अनुसार, सीनेटर लिंडसे ग्राहम उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। यह बिल रूसी तेल

खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था। सीनेटर लिंडसे ग्राहम डोनाल्ड ट्रंप के काफी करीबी थे और इस वक्त उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था। इस मांग को लेकर ट्रंप प्रशासन से समझौता हो गया था। लेकिन अब उनका निधन हो गया है। बताते चलें कि दक्षिण कैरोलिना के निवासी ग्राहम साल 2002 में पहली बार अमेरिकी सीनेट के लिए चुने गए थे।

बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा, पीएम बालेन शाह का इस्तीफा मांगा

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन

तीन दिन में हुए 3 आत्मदाह

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर



जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की

सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से।



2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था

2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव, सीएम शुभेंद्रु खुद मामले को देख रहे

ममता के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नौनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुखियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है।

राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा शुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नौनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है,



लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिष्ट दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिष्ट को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती। उनके पिता

ने भी जमीन दी थी, लेकिन आज वह जमीन भी खेती के योग्य नहीं बची है। खासेरभेड़ी गांव के स्वरूप दास ने भी दो बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। वे बताते हैं कि मुआवजा मिलने के बाद वे दुबई चले गए थे, जबकि उनके दोनों भाइयों का चयन टाटा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण के लिए किया था। उत्तराखंड में ट्रेनिंग शुरू हो चुकी थी और नौकरी की उम्मीद भी थी, लेकिन परियोजना बंद होने के साथ सारे सपने टूट गए। उनका कहना है कि यदि आज टाटा या कोई दूसरी बड़ी कंपनी आती है तो वे फिर जमीन देने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका ने ईरान के 140 टिकानों को बनाया निशाना

तेहरान ने यूएई-कतर पर किए हमले

तेहरान, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रविवार तड़के अमेरिका ने ईरान पर हमले का नया दौर शुरू किया। अमेरिका ने ईरान में 140 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइल हमले किए।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि यह हमला होर्मुज में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर हुए हमले के जवाब में किया गया। CENTCOM ने एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में लिखा कि आज शाम 7:15 बजे (ET), U.S. सेंट्रल कमांड की फोर्स ने ईरान के खिलाफ इस हफ्ते हमले का तीसरा दौर शुरू किया। यह कार्रवाई तब की गई जब इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कॉर्प्स की फोर्स ने स्ट्रेट ऑफ



होर्मुज से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज 'M/V GFS Galaxy' पर खुलेआम हमला किया। इस हमले में जहाज के कू का एक सदस्य लापता है और जहाज पर आग लगने तथा इंजन रूम को काफी नुकसान पहुंचने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख पा रहा है। व्यावसायिक जहाजों पर पहले हुए हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद, ईरान को 'मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (समझौता ज्ञापन) का पालन करने का एक और मौका दिया गया था, लेकिन वह फिर से ऐसा करने में नाकाम रहा।

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइरेस्टी प्रिंटिंग प्रेस को नं 190 सेप्टेम्बर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। मो०- 9415799533 R.N.I. NO. 64107/96